Learning and Teaching

Unit 6 Part

## Importance of developing group mind (group consciousness)
## समूह मन के विकास का महत्व :—

व्यक्ति जन्म से ही संबंध विकसित करने की प्रक्रिया में जुड़ जाता है। इस परस्पर संबंध के अनेक रूप हो सकते हैं। समूह जीवन का एक अत्यंत ही सशक्त माध्यम है। इसमें सभी तरह के लोगों की जो प्रभावशाली व्यक्तित्व के होते हैं, जो संकोची प्रवृत्ति के होते हैं, जो अच्छे नेतृत्व के गुण रखते हैं, अच्छा अनुभव हो जिनका शामिल होते हैं। सभी को अपने - अपने विचार व्यक्त करने का मौका आसानी से मिल सकता है। समूह मन के या मस्तिष्क के विकास का महत्व इस प्रकार निर्धारित किया गया है :—

(1) छोटे समूह के रूप में :— इसमें परिवार के बीच संबंध, पड़ोसियों के बीच, एक साथ काम करने वाले लोगों के बीच में रहकर हो सकता है, और इस संबंध का आधार होता है आपसी जुड़ाव।

(2) सामाजिक प्रक्रिया के संदर्भ में :— प्रशिक्षण के संदर्भ में समूह काफी चीजों को सिखाता है। हेय समूह बड़े समाज का प्रतिबिंब होता है, इस प्रकार से अपने कौशलों द्वारा अभिव्यक्ति करने का अवसर प्राप्त होता है।

(3) सामाजिक बदलाव का माध्यम :— समूह सामाजिक बदलाव और सामाजिक निर्माण का एक सशक्त माध्यम है। जहाँ पर समूह के सदस्यों को अनुभव के आधार पर अपने स्वयं एवं व्यक्तित्व को विकसित करने का अवसर मिलता है।

(4) परस्पर न्याय :— समूह में काम करने वाले व्यक्ति अपने समय, अपनी योग्यता उसके आधार पर मिली रिवार्ड्स की तुलना दूसरे व्यक्ति की

Scanned by CamScanner

समय योग्यता और पुरस्कार से करते हैं। अतः समूह को सामाजिक बदलाव के लिये परिवर्तन व्यावहारिक तैयार रचना उद्यत होगा।

(5) आपसी जुड़ाव :—

समूह के सदस्यों का मनोवैज्ञानिक स्तर पर जुड़ाव, समूह की प्रक्रियाओं और विकास के स्तर को सहज बनाता है। इस आपसी जुड़ाव में कमी आने से समूह विकास में प्रतिक्रियाएँ उत्पन्न होगी।

(6) समस्याओं का निवारण :—

समूह विकास के महत्व में समूह अपने क्रम के अनुसार विभिन्न समस्याओं का निवारण करते हैं। एक दूसरे के प्रति संवेदनशीलता और साझेदारी अत्यंत अनिवार्य होता है।

(7) नेतृत्व का उभरना :—

समूहों में नेतृत्व का उभरना एक बहुत ही रोचक प्रक्रिया है। अग्रसर नेतृत्व के लिए संघर्ष होता है और फिर कई कारणों के आधार पर जैसे - ज्ञान, प्रतिष्ठा, उम्र, दक्षता, अनुभव इत्यादि नेतृत्व कुछ विशिष्ट व्यक्तियों के पास आने लगता है। परिस्थितियों के अनुसार इसमें भी बदलाव आते हैं।

(8) निर्णय प्रक्रिया :—

निर्णय प्रक्रिया अर्थात् समूह निर्णय कैसे लेता है जैसे मतदान से, आम राय बनाकर, चुपचाप समझकर, सदस्यों के बीच सामंजस्य बनाकर। यह निर्णय की परिस्थिति व नेतृत्व की शैली पर निर्भर करता है।

इस प्रकार समूह एक निरंतर गतिशील प्रक्रिया है। इस प्रक्रिया में निरंतर विकास और परिवर्तन होते हैं। समूह विकास में सदस्य अपने भावों के आधार पर एक दूसरे को नये कार्य के लिये प्रोत्साहित और निर्देशित करते रहते हैं।

—*—

Scanned by CamScanner